



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 30 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1415 घंटे

विषय: (i) पश्चिम-मध्य छत्तीसगढ़ और विदर्भ व दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश के आस-पास के इलाकों में बने गहन अवदाब के असर से, 30 और 31 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; 30 जुलाई को मराठवाड़ा, तेलंगाना और विदर्भ में; और 31 जुलाई व 1 अगस्त, 2026 को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश (≥ 21 सेमी) होने की संभावना है।
(ii) अगले 3-4 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य भारत में मॉनसून की बारिश सामान्य या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

आज, 30 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ छत्तीसगढ़ में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, विदर्भ, ओडिशा और तेलंगाना में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ कल का गहन अवदाब आज, 30 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर पश्चिमी-मध्य छत्तीसगढ़ और विदर्भ व दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के आस-पास के इलाकों में मौजूद था। इसके छत्तीसगढ़ से होते हुए लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों में धीरे-धीरे कमज़ोर होकर अवदाब में बदलने की बहुत संभावना है। इसके बाद, अगले 24 घंटों में इसके विदर्भ और दक्षिण मध्य प्रदेश के आस-पास के इलाकों से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर अवदाब के रूप में बढ़ने की संभावना है।
- ❖ पूर्व-पश्चिम शियर जोन, मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में लगभग 21°N अक्षांश के साथ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर बना हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- ❖ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में उत्तरी हरियाणा और आस-पास के इलाकों में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर मौजूद है।
- ❖ ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन मध्य असम में निचले क्षोभमंडल स्तर पर मौजूद है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर एक ऑफ-शोर ट्रफ दक्षिणी गुजरात से उत्तरी केरल तक फैली हुई है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर पश्चिम भारत:

- ❖ 30 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

- ❖ 30 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पंजाब में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 3-5 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 2-5 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 1-3 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान।
- ❖ उत्तर पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 जुलाई-5 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 31 जुलाई-5 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड; 1-3 अगस्त के दौरान पंजाब; 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली; 30 जुलाई को और 3-5 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 3-5 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 1-5 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में और 30 जुलाई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 30-31 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पंजाब।

मध्य भारत:

- ❖ 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 30 जुलाई-5 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान और 5 अगस्त को विदर्भ; 30-31 जुलाई के दौरान और 2-5 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़।
- ❖ मध्य भारत के शेष भागों में गरज के साथ छिटपुट वर्षा, बिजली चमकने और तेज हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है।
- ❖ 1 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना; 30-31 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ; 30 जुलाई को छत्तीसगढ़ और 2-5 अगस्त के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में भी 30-31 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 जुलाई को विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 30 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 30-31 जुलाई के दौरान और 2-5 अगस्त के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल; 30 जुलाई और 1-5 अगस्त के दौरान झारखंड; 31 जुलाई-5 अगस्त के दौरान बिहार; 2-5 अगस्त के दौरान ओडिशा।
- ❖ पूर्वी भारत के शेष हिस्सों में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 1-5 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान और 5 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 4-5 अगस्त के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल; 31 जुलाई-5 अगस्त के दौरान बिहार; 2-5 अगस्त के दौरान ओडिशा और 30 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और 2-4 अगस्त के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 30 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान असम और मेघालय; 30-31 जुलाई और 3-5 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएँ (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की भी संभावना है।

- ❖ पूर्वोत्तर भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की भी संभावना है।
- ❖ 1-5 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 31 जुलाई-5 अगस्त के दौरान असम और मेघालय; 30 जुलाई-5 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30-31 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश; और 30 जुलाई को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 30 जुलाई-5 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा; 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र; 30-31 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा; 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र; 31 जुलाई-2 अगस्त के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की भी संभावना है।
- ❖ पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की भी संभावना है।
- ❖ 1-3 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा; 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र; 30-31 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में, और 30-31 जुलाई के दौरान कोंकण व गोवा में; तथा 30 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; 30 जुलाई को मराठवाड़ा में; और 31 जुलाई व 1 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 31 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में असाधारण रूप से भारी बारिश (≥ 30 सेमी) होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 30 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 1-5 अगस्त के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना।
- ❖ 30 जुलाई-5 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 30-31 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना।
- ❖ 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा; 30 जुलाई को तेलंगाना, 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 2-3 अगस्त के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 31 जुलाई-3 अगस्त के दौरान तेलंगाना।
- ❖ 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग भारी वर्षा होने की संभावना है; 2 अगस्त को केरल और माहे; 1 अगस्त को उत्तर आंतरिक कर्नाटक; 30-31 जुलाई के दौरान तेलंगाना और 30 जुलाई-1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 30-31 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक।
- ❖ 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में तेज़ सतही हवाएँ चलने की संभावना है; 30 जुलाई-3 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना।
- ❖ 30 जुलाई को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम-मध्य छत्तीसगढ़ और विदर्भ तथा दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के सटे हुए इलाके पर बने गहन अवदाब के कारण समुद्र की स्थिति, मछुआरों और हवाओं के बारे में चेतावनी।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ 31 जुलाई की सुबह तक पश्चिम-मध्य छत्तीसगढ़ और उससे सटे विदर्भ और दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश में 45-55 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाएं (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है और उसके बाद हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर; पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों में, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में तथा कोमोरिन इलाके में 4 अगस्त तक; दक्षिण गुजरात, कोंकण और गोवा के तटों के पास और उनसे दूर 1 अगस्त तक और पूरे गुजरात में 1 से 3 अगस्त के दौरान; कर्नाटक, केरल के तटों और लक्षद्वीप इलाके में 3 अगस्त तक।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों के पास और उनसे दूर (पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे इलाकों में) 31 जुलाई तक; मन्नार की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों (दक्षिण श्रीलंका के तटों से सटे) में 4 अगस्त तक; अंडमान सागर में 3 अगस्त को।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

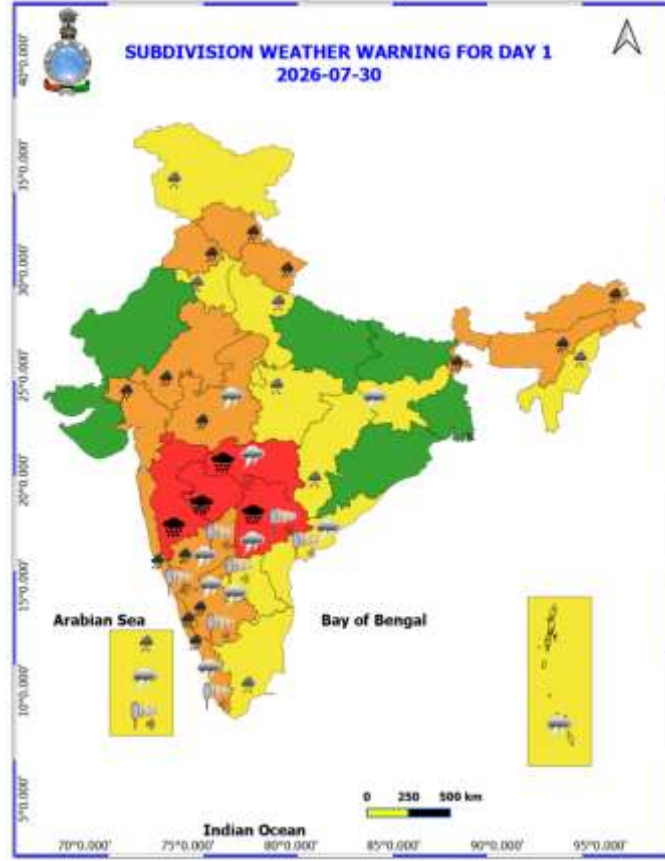
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

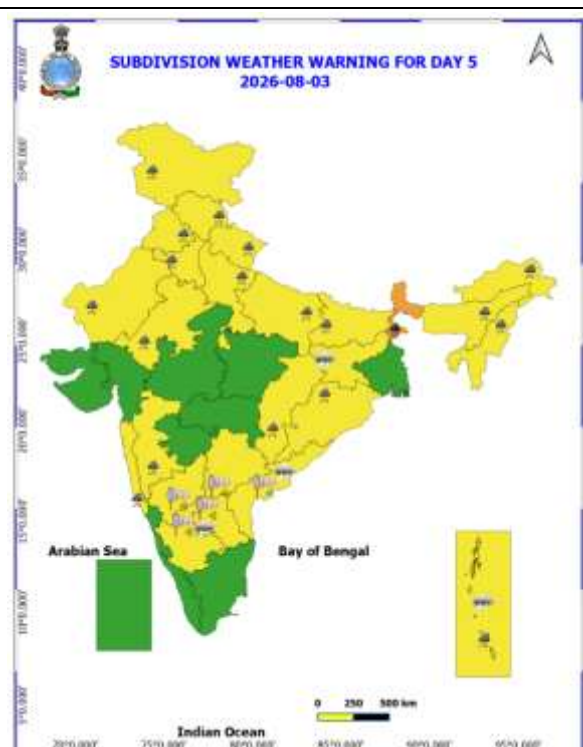
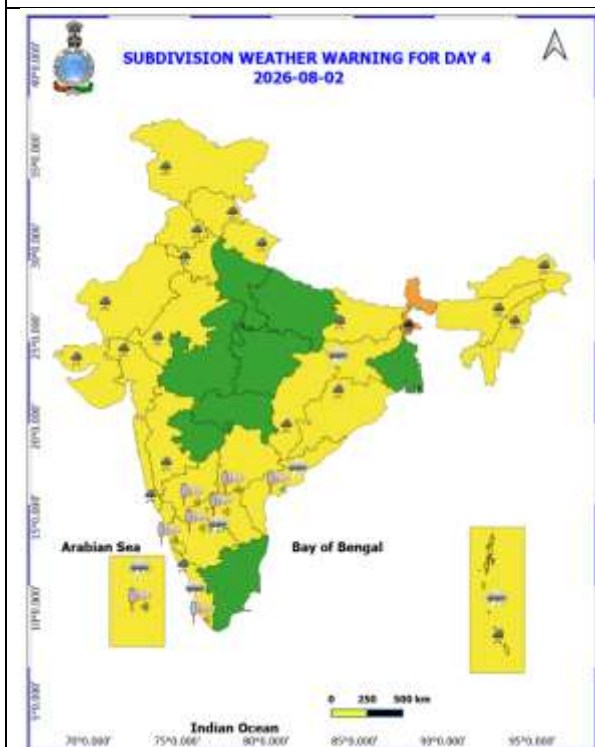
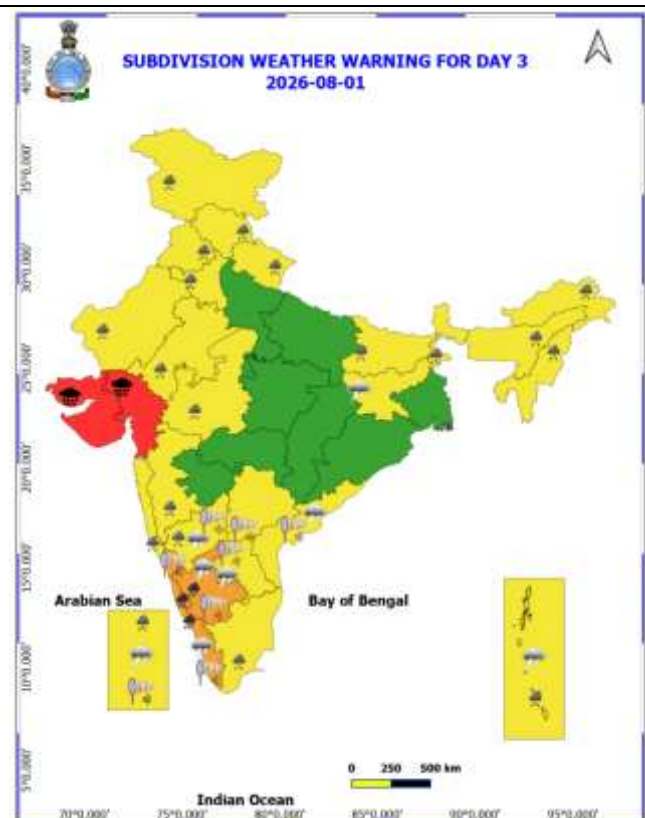
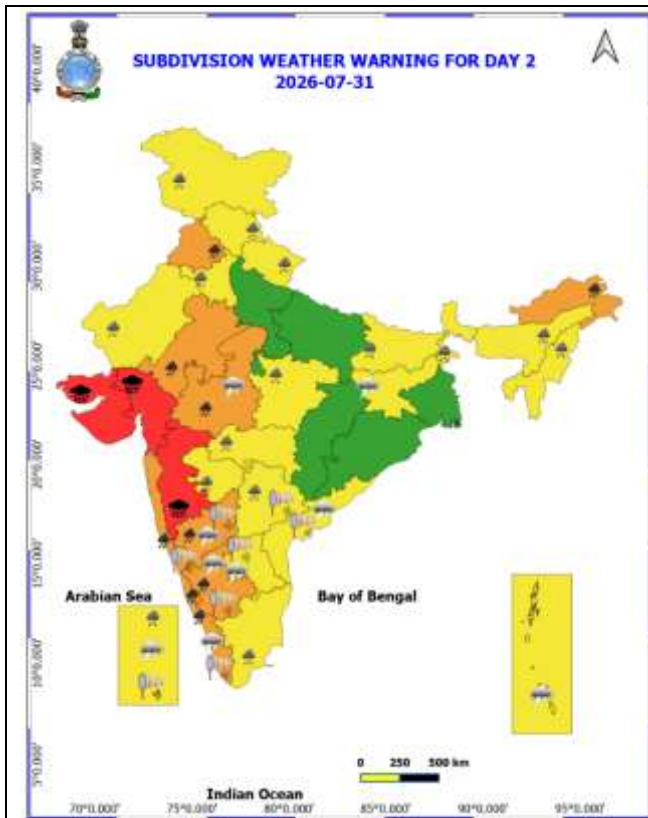
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

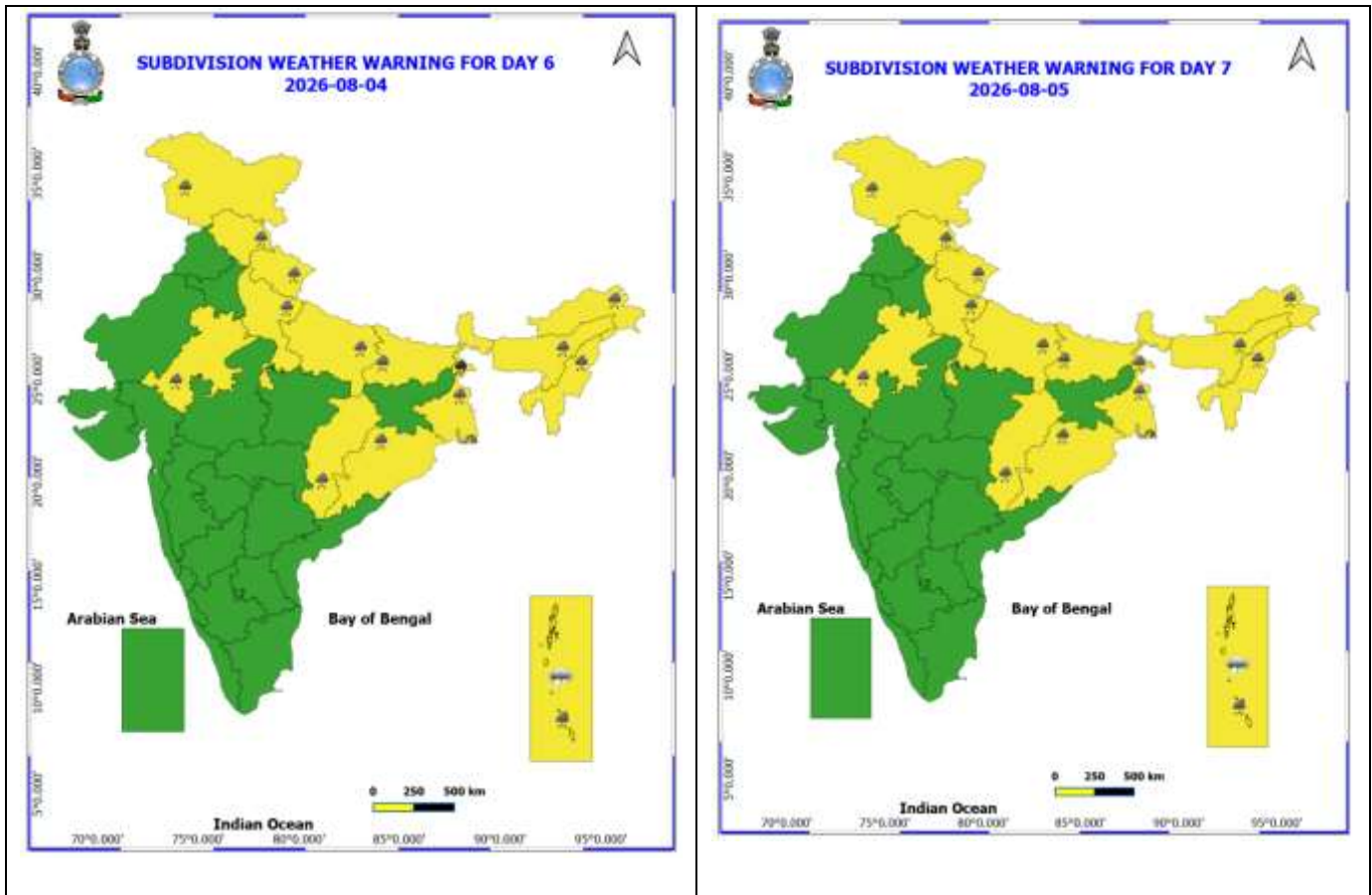
- ❖ छत्तीसगढ़: बीजापुर 22
- ❖ तेलंगाना: बेजूर (जिला कुमारम भीम) 18, वेंकटपुरम (जिला मुलुगु) 17
- ❖ विदर्भ: गढ़चिरौली 17
- ❖ ओडिशा: नुआपाड़ा 16
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: हरई (छिंदवाड़ा) 14
- ❖ उत्तराखंड: सोनप्रयाग (AWS) 14
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी-मुलशी (पुणे) 11
- ❖ असम: बारपेटा एआरजी 11
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: नामसाई (सीडब्ल्यूसी) 10
- ❖ पूर्वी राजस्थान: नाहरसागर (भीलवाड़ा) (राज्य रेनगुएज) 9
- ❖ मराठावाड़ा: किनवट (नांदेड़) 8
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 8
- ❖ मेघालय: मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स), जोवाई (जिला पश्चिम जैंतिया हिल्स) 8 प्रत्येक
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: गोलूवाला (हनुमानगढ़) (राज्य रेनगुएज) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- Jul	31- Jul	1- Aug	2- Aug	3- Aug	4- Aug	5- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WFS	SCT	WFS	SCT	WFS	WFS	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	WFS	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WFS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WFS	SCT	WFS	SCT	WFS	WFS	WFS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WFS	FWS	SCT	FWS	FWS	WFS	WFS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WFS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WFS	WFS	WFS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	WFS	WFS	FWS
12	UTTARAKHAND	WFS	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	WFS	FWS	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	WFS	WFS	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
24	MADHYA MAHARASHTRA	WFS	WFS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	WFS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	WFS	FWS	SCT	FWS	WFS	WFS	WFS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	WFS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WFS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।







- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

अनुलग्नक III

30 जुलाई से 02 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 4-5°C और न्यूनतम तापमान में 2-3°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-34°C और न्यूनतम तापमान 25-28°C के बीच रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आम तौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने और आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

30.07.2026: आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। रात के समय ज़्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

31.07.2026: आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

01.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

02.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह-सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम/रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से पूरब दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी रफ़्तार 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक रह सकती है। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार और कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो सकती है।

बहुत ज़्यादा/अत्यधिक भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 30 और 31 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है; 30 जुलाई को मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में; और 31 जुलाई व 1 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।

- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ कोंकण में, हल्दी, मूंगफली, रोपाई वाले धान और रागी, प्रोसो मिलेट, सब्जियों के खेतों और बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। निचले इलाकों से ज़्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जल-जमाव न हो।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, धान की नर्सरी और खरीफ़ फ़सलों जैसे मक्का, कपास, अरहर, मूंगफली, मूंग और उड़द से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ मराठवाड़ा में, कपास, अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली जैसी खरीफ़ फ़सलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ विदर्भ में, मक्का, कपास, अरहर, सोयाबीन, बागों और सब्जियों की नर्सरी जैसी खरीफ़ फ़सलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ गुजरात में, धान, कपास, बाजरा, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक जल-जमाव न हो। लंबी फ़सलों (केला, पपीता, गन्ना) को मज़बूत बांस का सहारा दें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, उड़द, मूंग, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि जल-जमाव न हो। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक बुवाई, सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, नर्सरी बेड और धान, मूंगफली, मूंग, अरहर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें ताकि पौधे डूबें नहीं या बाढ़ जैसी स्थिति न बने।
- ❖ जम्मू और कश्मीर में, मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि जल-जमाव न हो। रोपाई वाले धान में सिंचाई का काम टाल दें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सब व नाशपाती के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें ताकि ज़्यादा बारिश का पानी जल्दी निकल सके। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पके हुए फलों की कटाई करें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, उड़द, बार्नयार्ड मिलेट, रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी की निकासी का असरदार इंतज़ाम रखें ताकि लंबे समय तक जल-जमाव न हो। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी की निकासी का असरदार इंतज़ाम रखें ताकि जल-जमाव न हो। □ पूर्वी राजस्थान में, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, कपास और अरहर के निचले इलाकों वाले खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालें और जल-जमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

- ❖ केरल में, जल-जमाव को रोकने के लिए केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- ❖ कर्नाटक में, लंबे समय तक जल-जमाव को रोकने के लिए खेतों की जल निकासी नालियों को साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों में लगातार जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ तेलंगाना में, जल-जमाव को रोकने के लिए चावल, मक्का, कपास, अरहर, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक जल-जमाव को रोकने के लिए चावल, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों, बागों और निचले इलाकों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। जहां खेत की स्थिति अनुमति दे, वहां तैयार फसलों की कटाई करें।
- ❖ असम में, लंबे समय तक जल-जमाव को रोकने के लिए खेतों की जल निकासी नालियों को साफ रखें और चावल की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। तेज हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और अन्य नाजुक फसलों को सहारा दें।
- ❖ मेघालय में, लंबे समय तक जल-जमाव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें और जल निकासी नालियों को रुकावट-मुक्त रखें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, जल-जमाव को रोकने के लिए सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, लंबे समय तक जल-जमाव को रोकने के लिए चावल, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ ओडिशा में, जल-जमाव को रोकने के लिए नर्सरी बेड और खरीफ फसलों (जैसे मक्का, दालें (मूंग, उड़द, अरहर आदि), तिलहन (मूंगफली, तिल आदि), कपास, सब्जियां और फलों के बाग) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। फंगल रोगों को रोकने के लिए सब्जियों के खेतों से खराब फल और पत्तियां/पौधे हटा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मजबूती से बाँधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ❖ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

31-07-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी राजस्थान: डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा और झालावाड़ जिले

पूर्वी मध्य प्रदेश: छिंदवाड़ा और सिवनी जिले

पश्चिमी मध्य प्रदेश: बैतूल, भोपाल, रायसेन, विदिशा, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, नर्मदापुरम, धार, झाबुआ, इंदौर, देवास, आगर-मालवा, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर जिले

विदर्भ: अकोला, बुलढाणा, अमरावती, वर्धा, नागपुर, भंडारा, चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिले

गुजरात क्षेत्र: खेड़ा, आनंद, पंचमहल, महिसागर, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, नर्मदा और तापी जिले

मध्य महाराष्ट्र: नंदुरबार, धुले, जलगांव, अहिल्यानगर और नासिक जिले

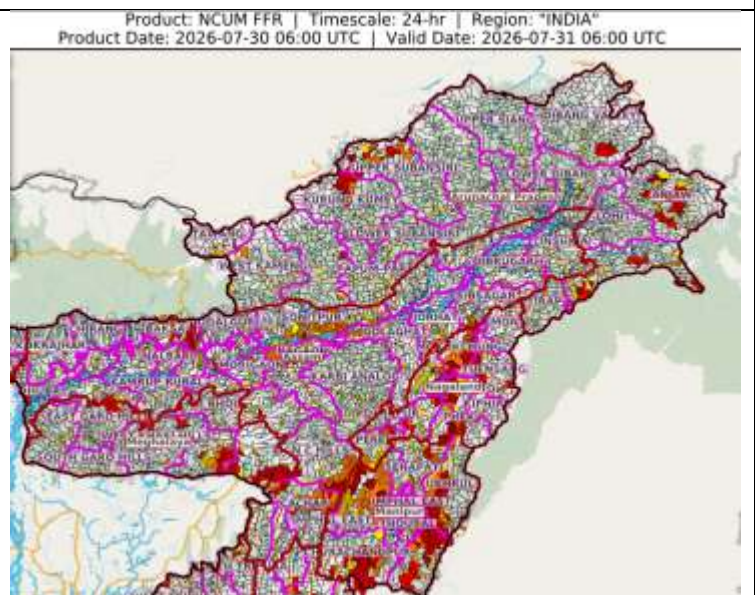
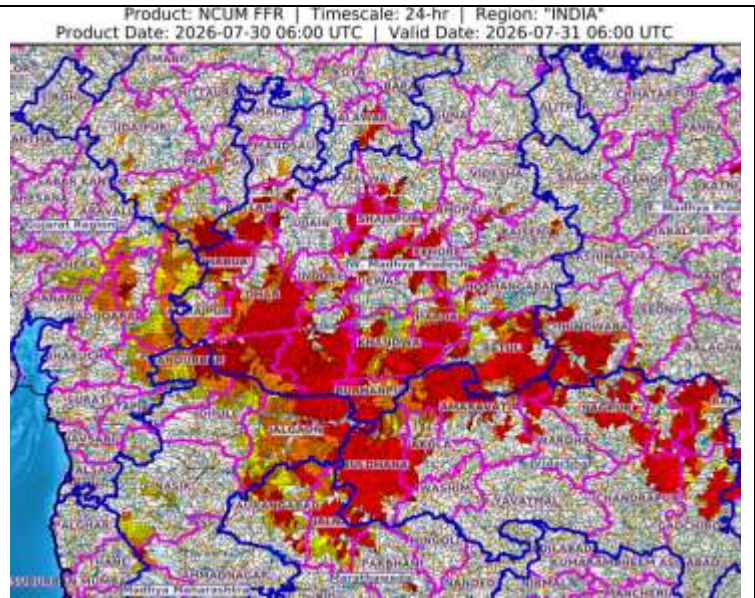
जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

31-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश: तवांग, पश्चिम कामेंग, पूर्वी कामेंग, कुरुंग कुमे, ऊपरी सुबनसिरी, अंजाव, दिबांग घाटी, तिरप और चांगलांग जिले

असम और मेघालय:



असम: बक्सा, दरांग, नलबाड़ी, गोलपारा, सोनितपुर, मोरीगांव, गोलाघाट, जोरहाट, शिवसागर और कछार जिले

मेघालय: पश्चिम खासी हिल्स, पूर्वी खासी हिल्स, पूर्वी गारो हिल्स, पूर्वी जयंतिया हिल्स, एनसी हिल्स और पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले

नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा (NMMT):

नागालैंड: वोखा, जुन्हेबोटो, पेरेन, दीमापुर, कोहिमा, फेक, तुएनसांग, मोकोकचुंग और लोंगलेेंग जिले

मणिपुर: उखरुल, सेनापति, तामेंगलौंग, चंदेल, थोउबल और चुराचांदपुर जिले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्र' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

31-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

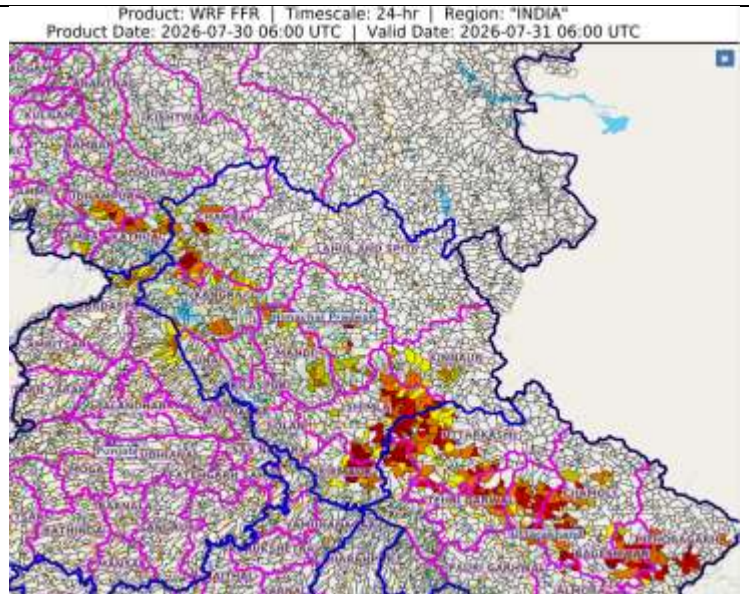
अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: रियासी, जम्मू, उधमपुर, सांबा और कठुआ जिले

हिमाचल प्रदेश: चंबा, कांगड़ा, ऊना, मंडी, कुल्लू, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिले

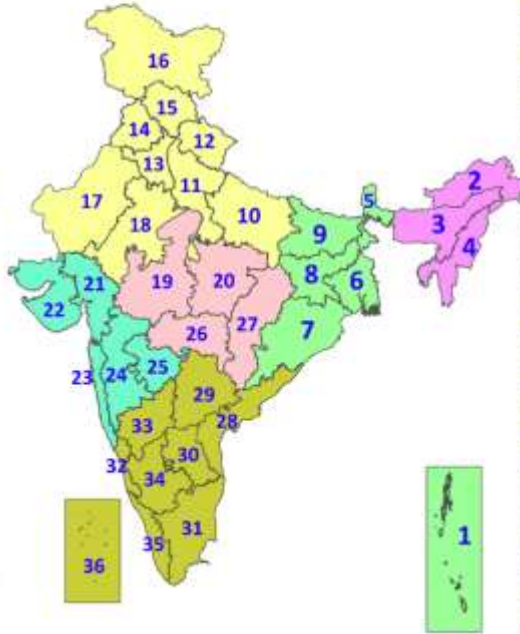
उत्तराखंड: देहरादून, उत्तरकाशी, गढ़वाल टिहरी, गढ़वाल पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)